

प्रेषक,

विनोद शर्मा,
अपर सचिव,
उत्तराखण्ड शासन ।

सेवा में,

परिवहन आयुक्त,
उत्तराखण्ड, देहरादून ।

परिवहन अनुभाग-1

देहरादून

दिनांक

14 अक्टूबर,

सितम्बर, 2008

विषय:-देहरादून में चालक प्रशिक्षण संस्थान के स्थल पर नदी कटाव से बचाव एवं स्थल विकास कार्य हेतु धनराशि की स्वीकृति के संबंध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके कार्यालय पत्र संख्या-161/नियोजन/2008-09 दिनांक 23 मई, 2008 के संदर्भ में शासनादेश संख्या-160/IX/383/2007 दिनांक 26-03-2007 के क्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि श्री राज्यपाल महोदय जनपद देहरादून में चालक प्रशिक्षण संस्थान के स्थल पर नदी कटाव से बचाव एवं स्थल विकास कार्य हेतु उत्तराखण्ड पेयजल संसाधन विकास एवं निर्माण निगम द्वारा गठित आगणन के सापेक्ष अनुमोदित लागत रु0 114.24 लाख के सापेक्ष पूर्व स्वीकृत धनराशि रु0 23.00 लाख के क्रम में चालू वित्तीय वर्ष में अवशेष धनराशि रु0 91.24 लाख (रु0 इक्यानवे लाख चौबीस हजार मात्र) की धनराशि इस प्रतिबंध के साथ स्वीकृत किये जाने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं कि नदी कटाव से सुरक्षा कार्य के डिजायन आदि को सिंचाई विभाग से अनुमोदित करा लिया जाये एवं यह सुनिश्चित कर लिया जाय कि सिंचाई विभाग द्वारा अपनी योजना को संशोधित किया जाय। तदोपरान्त ही उक्त स्वीकृत धनराशि को निम्न प्रतिबन्धों के अधीन व्यय किया जाय:-

- 1- उक्तानुसार स्वीकृत धनराशि का व्यय वित्तीय हस्तपुस्तिका बजट मैनुअल, उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली, 2008 आदि का एवं समय-समय पर जारी निर्देशों का पालन सुनिश्चित करते हुए किया जायेगा। व्यय उन्ही मदों में किया जायेगा जिसके लिए यह स्वीकृत किया जा रहा है। व्यय किये जाने से पूर्व सक्षम अधिकारी की स्वीकृति प्राप्त किया जाना आवश्यक होगा।
- 2- आगणन में उल्लिखित दरों का विश्लेषण विभाग के अधीक्षण अभियन्ता द्वारा स्वीकृत/ अनुमोदित दरों को तथा जो दरें शिड्यूल ऑफ रेट में स्वीकृत नहीं हैं अथवा बाजार भाव से ली गई हों, की स्वीकृति नियमानुसार अधीक्षण अभियन्ता से अनुमोदन करना आवश्यक होगा।
- 3- कार्य कराने से पूर्व विस्तृत आगणन/नानचित्र गठित कर नियमानुसार सक्षम प्राधिकारी से प्राविधिक स्वीकृति प्राप्त करनी होगी, बिना प्राविधिक स्वीकृति के किसी भी दशा में कार्य को

प्रारम्भ न किया जाय। चूँकि नदी कटाव से सुरक्षा कार्य है। अतः डिजाइन को सिंचाई विभाग से पहले ही अवश्य अनुमोदित करा लिया जाय तथा कार्य के सभी विवरण सिंचाई विभाग को भी इस आशय से भेज दिये जाय कि वे नदी कटाव/बाढ़ सुरक्षा के लिये प्रस्तावित अपनी योजनाओं में इसका समायोजन व तदनुसार आवश्यक संशोधन कर लें।

4— कार्य पर उतना ही व्यय किया जाय जितना कि स्वीकृत मानक है, स्वीकृत मानक से अधिक व्यय कदापि न किया जाय।

5— एक मुश्त प्राविधान को कार्य करने से पूर्व विस्तृत आगणन गठित कर नियमानुसार सक्षम प्राधिकारी से स्वीकृति प्राप्त करने के उपरान्त कार्य टेकअफ किया जाय।

6— कार्य कराने से पूर्व समस्त औपचारिकताएं तकनीकी दृष्टि को मध्य नजर रखते हुए एवं लोक निर्माण विभाग द्वारा प्रचलित दरों/विशिष्टियों को ध्यान में रखते हुए निर्माण कार्य को सम्पादित कराना सुनिश्चित करें।

7— आगणन में जिन मदों हेतु जो राशि स्वीकृति की गयी है, उसी मद पर व्यय किया जाए, एक मद का दूसरी मद में व्यय कदापि न किया जाय।

8— उक्त कार्य की तृतीय पक्ष से चैकिंग की व्यवस्था इसमें अवमुक्त की जा रही सेन्टेज की धनराशि से की जायेगी।

9— निर्माण सामग्री को प्रयोग में लाने से पूर्व सामग्री का किसी प्रयोगशाला से टेस्टिंग करा ली जाय तथा उपयुक्त पायी जाने वाली सामग्री को ही प्रयोग में लाया जाए।

10— जी० पी० डब्लू० फार्म ९ की शर्तों के अनुसार निर्माण ईकाई को कार्य सम्पादित करना होगा तथा समय से कार्य को पूर्ण न करने पर 10 प्रतिशत की दर से आगणन की कुल लागत का निर्माण ईकाई से दण्ड वसूल किया जायेगा।

11— मुख्य सचिव उत्तराखण्ड शासन के शासनादेश संख्या-2047/Xiv-219 (2006) दिनांक 30 मई 2006 द्वारा निर्गत आदेशों के कम में कार्य कराते समय अथवा आगणन गठित करते समय कड़ाई से पालन किया जाय।

12— धनराशि आवश्यकतानुसार ही आहरित कर निर्माण ईकाई को उपलब्ध करायी जाय, ताकि धनराशि की अनावश्यक रूप से पार्किंग न हो।

13— इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2008-09 के अनुदान संख्या-24 के अंतर्गत लेखाशीर्षक 5055-सड़क परिवहन पर पूंजीगत परिव्यय-00-आयोजनागत-050-भूमि तथा भवन-04-देहरादून में चालक प्रशिक्षण संस्थान की स्थापना-00-24-वृहत निर्माण कार्य के नामे डाला जायेगा।

14— यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या-669/xxvii (2)/2008, दिनांक 24 सितम्बर, 2008 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय

(विनोद शर्मा)

अपर सचिव।

संख्या-२७५(१)/IX/३८३/२००८ तददिनांक

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

- 1- महालेखाकार, उत्तराखण्ड, आबराय भवन माजरा रोड, देहरादून
- 2- अपर सचिव, सिचाई विभाग, उत्तराखण्ड शासन।
- 3- मुख्य अभियंता सिचाई विभाग, देहरादून।
- 4- वरिष्ठ कोषाधिकारी/कोषाधिकारी, देहरादून।
- 5- वित्त अनुभाग-२
- 6- गार्ड फाईल।
- 7- एन०आई०सी० सचिवालय परिसर, देहरादून।

आज्ञा से,

(प्रेम सिंह बिष्ट)
अनु सचिव।